साहित्य अकादेमी के साहित्योत्सव का समापन

वैभव न्यूज ■ नई दिल्ली

साहित्य अकादेमी द्वारा मनाए जा रहे एशिया के सबसे बड़े साहित्य उत्सव साहित्योत्सव 2025 का समापन हुआ। इस दिन आयोजित हुए पंद्रह सत्रों में दिव्यांग लेखक एवं साहित्य में रूचि रखने वाले बच्चे भी साहित्योत्सव का हिस्सा बने। 10 भाषाओं के दिव्यांग लेखकों ने विनोद आसुदानी एवं अरविंद पी.भाटीकर की अध्यक्षता में काव्य-पाठ एवं कहानी पाठ प्रस्तुत किया। आठ विचार-सत्रों में भविष्य के उपन्यास, भारत की सांस्कृति परंपरा पर वैश्वीकरण का प्रभाव, अनूदित कृतियों को पढ़ने का महत्त्व, एकता और सामाजिक एकजुटता, कृत्रिम बुद्धिमता और साहित्यिक रचनाएं आदि विषयो पर इन विषयों के विशेषज्ञो के साथ विचार विमर्श हुआ। भारतीय साहित्यिक परंपराएं, विरासत और विकास विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी के अंतिम दिन भारतीय कविता, दलित साहित्य एवं आध्यात्मिक साहित्य पर गंभीर विचार-विमर्श हुआ। इन सत्रों की अध्यक्षता क्रमशः विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, यौराज सिंह बेचैन एवं विष्णु दत्त राकेश ने की। बहुभाषी कवि सम्मिलन एवं कहानी-पाठ के भी तीन सत्र हुए। बच्चों के लिए चित्रकला, रेखांकन प्रतियोगिता एवं भाषण प्रतियोगिताएं आयोजित की गई जिनमें 15 स्कूलों के 300 से ज्यादा बच्चों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में 12 बच्चों को पुरस्कृत किया गया। एक अन्य महत्तवपूर्ण कार्यक्रम लेखक से भेंट प्रख्यात बाड्ला लेखक सुबोध सरकार के साथ किया गया।